वाणिज्य में स्नातक
(बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -133: व्यावसायिक सन्नियम

सत्रीय कार्य
2023–24

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2023 से 31st दिसम्बर 2023

द्वितीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -133: व्यावसायिक सन्नियम

सत्रीय कार्य 2022–23

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं। खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं। खण्ड - ग में चार अति लघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 5 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2023 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2023 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2023 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2023 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. सी. -133**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यावसायिक सन्नियम**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.सी.-133/टी. एम. ए./2022 – 23**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड - क

1. प्रस्ताव, स्वीकृति और निरसन के संचार से संबंधित कानून की संक्षेप में व्याख्या करें। क्या समय की कोई सीमा है जिसके बाद प्रस्ताव को रद्द नहीं किया जा सकता है। **(10)**

2. "प्रतिफल की अपर्याप्तता सारहीन है , लेकिन एक वैध अनुबंध को वैध और वास्तविक प्रतिफल द्वारा समर्थित होना चाहिए।" । **(10)**

3. विभिन्न प्रकार के साझेदारों की गणना करें और संक्षेप में उनकी देनदारियों की सीमा की व्याख्या करें। **(10)**

4. "वस्तुओं का कोई भी विक्रेता क्रेता को अपने से बेहतर हक नहीं दे सकता"। इस नियम की व्याख्या कीजिए। क्या इस नियम के कोई अपवाद हैं? **(10)**

5. निक्षेप के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए तथा निक्षेपिती के अधिकारों और कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए। **(10)**

खण्ड - ख

6. "प्रस्ताव" शब्द को परिभाषित करें। एक वैध प्रस्ताव के आवश्यक तत्वों की चर्चा कीजिए। **(6)**

7. गलती को परिभाषित करें और विभिन्न प्रकार की गलतियों को समझाएं। **(6)**

8. एक फर्म के विघटन पर भागीदारों के अधिकारों और दायित्वों का वर्णन करें। **(6)**

9. ग्रहणाधिकार के अधिकार और मार्ग में ठहराव के बीच अंतर करें। **(6)**

10. वचन पत्र, विनिमय बिल और चेक की सामान्य विशेषताओं पर चर्चा करें। **(6)**

खण्ड - ग

11. निम्नलिखित में अंतर करें : **(5)**

(क) जबरदस्ती और अनुचित प्रभाव

(ख) धोखाधड़ी और गलतबयानी

12. "व्यापार के अवरोध में एक समझौता शून्य है"। अपवाद , यदि कोई हो , का उल्लेख करते हुए इस कथन का परीक्षण करें । **(5)**

13. सीमित देयता भागीदारी का भागीदार क्या नहीं हो सकता है? **(5)**

14. बिक्री के वैध अनुबंध के अनिवार्य तत्वों की व्याख्या करें। **(5)**